|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 国家质量技术监督局                         《锅炉压力容器压力管道及特种设备                        检验人员资格考核规则》及解释  国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察局                中国锅炉压力容器安全杂志社  1999年      国家质量技术监督局文件                  质技监局锅发[1999]222号                           关于印发《锅炉压力容器压力管道及特种设备 检验人员资格考核规则》的通知 各省、自治区、直辖市技术监督局,劳动(劳动和社会保 障)厅(局),国务院有关部委,中国人民解放军总后勤部, 新疆生产建设兵团： 自《锅炉压力容器检验员资格鉴定考核规则》(劳锅字[1988]5号)实施以来,锅炉压力容器检验人员的资格考核工作质量得到了提高。但随着社会主义市场经济的建立和完善以及部门职能的变化,原《锅炉压力容器检验员资格鉴定考核规则》已不能完全适应要求。因此,我们在广泛征求意见的基础上,修订完成了《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验人员资格考核规则》(以下简称《规则》),现印发给你们。本《规则》于2000年7月1日起正式施行,原《锅炉压力容器检验员资格鉴定考核规则》同时废止。对现有持证检验人员,其资格证自新《规则》生效之日起,一年内有效,一年后旧证作废。     各级锅炉压力容器安全监察机构及有关单位要认真组织 学习和贯彻新规则,并做好过渡衔接工作。在执行中发现问 题,请及时反映给国家质量技术监督局。     附件：《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验人员资           格考核规则》      国家质量技术监督局                                      1999年9月27日  第一章  总  则     第一条  为了保证锅炉、压力容器、压力管道及特种设备检验工作质量,根据《锅炉压力容器安全监察暂行条例》和国务院赋予质量技术监督部门的职责及其他有关法律、法规的规定,制定本规则。     第二条  本规则适用受聘于经国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察机构注册的检验单位,并从事锅炉、压力容器、压力管道及特种设备(包括电梯、起重机、厂内机动车辆、架空索道、游艺机和游乐设施、防爆电气,下同)检验的人员。    ．     第三条  凡从事锅炉、压力容器、压力管道及特种设备检验的人员必须按本规则进行资格考核,并取得相应检验项目的人员资格证书。     第四条  检验人员分为检验员、检验师和高级检验师。    检验员包括：锅炉检验员、压力容器检验员、压力管道检验员、医用氧舱检验员、气瓶检验员、起重机检验员、电梯检验员、厂内机动车辆检验员、架空索道检验员、游艺机和游乐设施检验员、防爆电气检验员。     检验师包括：锅炉检验师、压力容器检验师、压力管道检验师、起重机检验师、电梯检验师、厂内机动车辆检验师、架空索道检验师、游艺机和游乐设施检验师、防爆电气检验师。     高级检验师包括：锅炉压力容器压力管道高级检验师、特种设备高级检验师。     第五条  检验人员的职责：     (一)检验员的职责：     1、在资格证书允许的范围内从事相应项目的检验工作；     2、编制检验方案,出具检验报告,并对检验结果负责。     (二)检验师除正确履行检验员职责外,还具有以下职责：     l、对检验员进行技能培训、工作指导和考评；     2、编制、审核检验方案、检验报告；     3、参与事故的调查、分析和处理。     (三)高级检验师除正确履行检验师职责外,还具有以下职责：     1、对检验员、检验师进行技能培训、工作指导；     2、参与重大疑难问题研究及重大事故的调查、分析和处理；     3、参与有关法规、标准的编写和审定。     第六条检验人员允许从事的检验项目：     (一)、检验员的检验项目分定期检验和监督(不包括进出口安全性能)检验。     锅炉检验员GL：额定蒸汽压力≤2.5MPa的蒸汽锅炉、热水锅炉、有机热载体锅炉检验。     压力容器检验员RQ：第一、二类压力容器(不包括医 用氧舱)检验。     气瓶检验员QP：气瓶检验。     医用氧舱检验员YC：医用氧舱检验。     压力管道检验员GD：工业管道(限设计压力<10Mpa；输送非极度危害介质；设计压力<4Mpa,且设计温度<400℃,输送介质为可燃、有毒流体)、公用管道检验。     起重机检验员QZ：桥、门式起重机、建筑塔式起重机、流动式起重机、门座式起重机、岸边集装箱装卸桥、简易起重机、升降机等各类起重机检验。     电梯检验员DT：电梯、自动扶梯和自动人行道等检验。     厂内机动车辆检验员CJ：汽车、叉车、电瓶车等各类厂内机动车辆检验。     架空索道检验员SD：客运、货运等各类架空索道电气或机械部分检验。     游艺机和游乐设施检验员YJ：滑行车类、旋转运动类、观览车类、赛车类、单轨车和小火车类、水上娱乐项目、其它无动力娱乐项目等各类游艺机和游乐设施检验。     防爆电气检验员FB：防爆电器、防爆电机、防爆仪表和防爆照明灯具检验。     (二)、检验师的检验项目分定期检验、监督检验。特种设备类检验师检验项目还包括型式试验。     锅炉检验师GS：蒸汽锅炉、热水锅炉、有机热载体锅炉检验。     压力容器检验师RS：第一、二、三类压力容器、超高压容器、气瓶检验。     压力管道检验师DS：工业管道、公用管道、长输管道检验。     起重机检验师QS：桥、门式起重机、建筑塔式起重机、流动式起重机、门座式起重机、岸边集装箱装卸桥、简易起重机、升降机等各类起重机检验。     电梯检验师TS：电梯、自动扶梯和自动人行道等检验。     厂内机动车辆检验师JS：汽车、叉车、电瓶车等各类厂内机动车辆检验。     架空索道检验师SS：客运、货运等各类架空索道检验。     游艺机和游乐设施检验师YS：滑行车类、旋转运动类、观览车类、赛车类、单轨车和小火车类、水上娱乐项目、其它无动力娱乐项目等各类游艺机和游乐设施检验。     防爆电气检验师FS：防爆电器、防爆电机、防爆仪表和防爆照明灯具检验。     三、高级检验师的检验项目包括定期检验、监督检验。特种设备高级检验师检验项目还包括型式试验。     锅炉压力容器压力管道高级检验师GG：第一、二、三类压力容器、超高压容器、气瓶、蒸汽锅炉、热水锅炉、有机热载体锅炉、工业管道、公用管道、长输管道检验。     特种设备高级检验师TG：起重机、电梯、厂内机动车辆、架空索道、游艺机和游乐设施、防爆电气等特种设备检验。    第二章 申报条件      第七条  申报锅炉检验员检验资格的人员,应符合下列 条件之一：     (一)具有锅炉类专业大专以上学历或锅炉类专业助理 工程师任职资格,并从事锅炉设计、制造、安装、使用、检 验、监察工作一年以上；     (二)‘具有锅炉类专业中专、理工科(非锅炉类专业) 大专以上学历或锅炉类专业技术员任职资格,并从事锅炉设 计、制造、安装、使用、检验、监察工作二年以上；     (三)具有理工科(非锅炉类专业)中专学历或技术员 任职资格,并经锅炉检验专业培训,从事锅炉设计、制造、 安装、使用、检验、监察工作三年以上。     第八条  申报压力容器、气瓶检验员检验资格的人员, 应符合下列条件之一：     (一)具有化工机械类专业大专以上学历或化工机械类专业助理工程师任职资格,并从事压力容器设计、制造、安装、使用、检验、监察工作一年以上；     (二)具有化工机械类专业中专、理工科(非化工机械类专业)大专以上学历或化工机械类专业技术员任职资格,并从事压力容器设计、制造、安装、使用、检验、监察工作二年以上：     (三)具有理工科(非化工机械类专业)中专学历或技术员任职资格,并经压力容器检验专业培训,从事压力容器设计、制造、安装、使用、检验、监察工作三年以上：     (四)具有高中学历或技术员任职资格,并从事压力容器、气瓶设计、制造、安装、使用、检验、监察工作四年以上,可申报气瓶检验员资格考核(只限定期检验)。     第九条  申报医用氧舱检验员检验资格的人员,应持有压力容器检验员检验资格证件,并经医用氧舱检验专业培训。     第十条  申报压力管道检验员检验资格的人员,应符合下列条件之一：     (一)具有化工机械类、管道类专业大专以上学历或化工机械类、管道类专业助理工程师任职资格,并从事压力管道设计、制造、安装、使用、检验、监察工作一年以上；     (二)具有化工机械类、管道类专业中专、理工科(非化工机械、管道类专业)大专以上学历或化工机械类、管道类专业技术员任职资格,并从事压力管道设计、制造、安装、使用、检验、监察工作二年以上；     (三)具有理工科(非管道类专业)中专学历或技术员     任职资格,并经管道检验专业培训,从事压力管道设计、制造、安装、使用、检验、监察工作三年以上。     第十一条  申报起重机检验员检验资格的人员,应符合下列条件之一：     (一)具有起重专业机械类、电气类大专以上学历或起    重专业机械类、电气类、安全工程类助理工程师任职资格,    并从事起重机设计、制造、安装调试、维修、操作、检验、监察工作一年以上：     (二)具有起重专业机械类、电气类中专、理工科(非起重专业)大专以上学历或起重专业机械类、电气类、安全工程类技术员任职资格,并从事起重机设计、制造、安装调试、维修、操作、检验、监察工作二年以上；     (三)具有理工科(非起重专业)中专学历或技术员、技师任职资格,并从事起重机设计、制造、安装调试、维修、操作、检验、监察工作三年以上。     第十二条  申报电梯检验员检验资格的人员,应符合下    列条件之一：     (一)具有起重专业机械类、电气类大专以上学历或起    重专业机械类、电气类、安全工程类助理工程师任职资格,    并从事电梯设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作 一年以上；     (二)具有起重专业机械类、电气类中专、理工科(非起重专业)大专以上学历或起重专业机械类、电气类、安全工程类技术员任职资格,并从事电梯设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作二年以上；     (三)具有理工科(非起重专业)中专学历或技术员、技师任职资格,并从事电梯设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作三年以上。     第十三条  申报厂内机动车辆检验员检验资格的人员,应符合下列条件之一：     (一)具有汽车、工程车辆专业大专以上学历或工程类车辆(不含机车,下同)专业助理工程师任职资格,并从事厂内机动车辆设计、制造、维修、操作、检验、监察工作一年以上；     (二)具有汽车、工程车辆专业中专、理工科(非汽车、工程车辆专业)大专以上学历或工程类车辆专业技术员任职资格,并从事厂内机动车辆设计、制造、维修、操作、检验、监察工作二年以上；     (三)具有理工科(非汽车、工程车辆专业)中专学历或技术员、技师任职资格,并从事厂内机动车辆设计、制造、维修、操作、检验、监察工作三年以上。     第十四条  申报架空索道检验员检验资格的人员,应符合下列条件之一：     (一)具有起重运输专业机械类、电气类大专以上学历或工程类起重运输专业助理工程师任职资格,并从事架空索道设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作一年以上；     (二)具有起重运输专业机械类、电气类中专、理工科(非起重运输专业)大专以上学历或工程类起重运输专业技术员任职资格,并从事架空索道设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作二年以上：     (三)具有理工科(非起重运输专业)中专学历或技术员、技师任职资格,并从事架空索道设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作三年以上。     第十五条  申报游艺机和游乐设施检验员检验资格的人 员,应符合下列条件之一：     (一)具有机械类、电气类专业大专以上学历或工程类机械、电气专业助理工程师任职资格,并从事游艺机和游乐设施设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作一年以上：     (二)具有机械类、电气类专业中专、理工科(非机械类、电气类专业)大专以上学历或工程类机械、电气专业技术员任职资格,并从事游艺机和游乐设施设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作二年以上；     (三)具有理工科(非机械类、电气类专业)中专学历或技术员、技师任职资格,并从事游艺机和游乐设施设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作三年以上。     第十六条  申报防爆电气检验员检验资格的人员,应符合下列条件之一：     (一)具有电气类专业大专以上学历或工程类电气专业助理工程师任职资格,并从事防爆电气器材设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作一年以上；     (二)具有电气类专业中专、理工科(非电气类专业)大专以上学历或工程类电气专业技术员任职资格,并从事防爆电气器材设计、制造、安装调试、维修、检验、监察工作二年以上；     (三)具有理工科(非电气类专业)中专学历或技术员、技师任职资格,并从事防爆电气器材设计、制造、安装调试。维修、检验、监察工作三年以上。     第十七条  申报检验师资格的人员,应符合下列条件：     取得本项检验员资格,具有工程师任职资格,从事检验工作三年以上。申报含型式试验项目的特种设备检验师资格,还应具备从事型式试验三年以上工作经历。     第十八条  申报锅炉压力容器压力管道高级检验师资格的人员,应符合下列条件：     1、取得锅炉、压力容器、压力管道其中两项检验师资格；     2、具有高级工程师任职资格；     3、从事检验工作七年以上；     4、在本领域有独特造诣或在国内外重要杂志上发表过技术文献、取得过重大科技研究成果；     5、解决过重大、特殊设备疑难问题并具有一定知名度。     第十九条  申报特种设备高级检验师资格的人员,应符 合下列条件：     1、取得起重机检验师、电梯检验师、厂内机动车辆检验师、架空索道检验师、游艺机和游乐设施检验师、防爆电气检验师中任意三项资格；     2、具有高级工程师任职资格；     3、从事检验工作七年以上：     4、在本领域有独特造诣或在国内外重要杂志上发表过技术文献、取得过重大科技研究成果：     5、解决过重大、特殊设备疑难问题并具有一定知名度。  第三章 考核组织、程序  第二十条  省级以上锅炉压力容器安全监察机构(以下简称安全监察机构)负责对申请考核的检验人员进行资格审查和考核工作。考核的具体工作可由考核机构承担,省级考察机构负责组织,全国考核机构由国家质量技术监督局安全监察机构负责组织。各级考核机构的人员应由安全监察机构的监察员、检验单位的检验师、高级检验师及有关专家组成,考核机构人员一般不少于八名(其中相应类别的高级检验师不少于二名),省级考核机构人员须报国家质量技术监督局安全监察机构备案。     第二十一条  检验人员申请检验员资格考核,应由本人    向所在地的省级安全监察机构提交《锅炉压力容器压力管道    及特种设备检验员资格考核申请表》(见附件一)和下列资    质证明材料,经审查同意后,方可参加考核。     1、学历(毕业)证书复印件；     2、技术职称(聘任)证书复印件。     第二十二条  检验人员申请检验师资格考核,须先向所   在地的省级安全监察机构提交《锅炉压力容器压力管道及特    种设备检验师资格考核申请表》(见附件三)和下列资质证    明材料,经审查合格,并报国家质量技术监督局安全监察机   构审查同意后,方可参加考核。     1、学历(毕业)证书复印件；     2、技术职称(聘任)证书复印件；     3、检验员资格证书复印件；     4、检验报告及案例(各不少于5份)。     第二十三条  检验人员申报高级检验师资格考核,须先     向所在地的省级安全监察机构提交《锅炉压力容器压力管道     及特种设备高级检验师资格考核申请推荐表》(见附件四)     和下列资质证明材料,经审查合格并签署意见后,由所在地的省级安全监察机构向国家质量技术监督局安全监察机构推荐,国家质量技术监督局安全监察机构受理后,通知申请人 参加考核。     l、学历(毕业)证书复印件；     2、技术职称(聘任)证书复印件；     3、检验师资格证书复印件；     4、检验报告及案例(各不少于5份)。     5、在国内外发表的有关技术文献及重大研究成果(原 件或复印件)；     6、解决重大问题及事故分析处理的见证资料。     《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员资格考核申 请表》、《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验师资格考核 申请表》、《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资 格考核申请推荐表》由国家质量技术监督局统一制定。     第二十四条  省级考核机构负责组织进行检验员资格考核和检验师资格复试考核工作,全国考核机构负责组织进行检验师首次考核和高级检验师的考核工作。检验师的复试考核由全国统一命题,省级考核机构负责组织实施。省级考核机构进行的考核工作接受全国考核机构的指导。按本规则第三章组成的检验资格考核机构依据本规则第二章、第四章、第五章的要求对申报人员进行考核。     第二十五条  经资格考核合格的检验员资格证书由省级安全监察机构审核报省级质量技术监督局签发。检验师、高级检验师资格证书由国家质量技术监督局安全监察机构审核签发检验员、检验师、高级检验师资格证书由国家质量技术监督局统一印制(见附件八)。     第二十六条  省级以上安全监察机构定期分别公布取得检验员、检验师、高级检验师资格证者的姓名、工作单位及合格项目。 第二十七条  已取得检验人员资格证书的检验人员,需新增检验项目时,应按本规则的要求进行新增检验项目的资格考核。  第四章  考核科目、内容及方法      第二十八条  检验人员申报检验员检验资格的考核,包括基础知识、专业知识考核和实际操作技能考评。锅炉压力容器压力管道类检验员还须进行评片考核(持RTⅡ级以上无损检测资格的人员可免评片考核)。     (一)检验员基础知识、专业知识考核(包括综合、定检、监检知识)均采用百分制评分,成绩达到70分为合格。     1、基础知识考核的内容：在力学、金属学及热处理、金属工艺、材料、焊接、无损检测、电气、自控、生产工艺等知识中选择与报考类别相关的内容；     2、专业知识考核的内容：     (1)综合知识     ①、有关条例、规程、标准；     ②、有关(如锅炉、压力容器、气瓶、压力管道、医用氧舱、起重机、电梯、厂内机动车辆、架空索道、游艺机和游乐设施、防爆电气等方面)专业知识；     ③、无损检测方法及有关知识。     (2)定检知识     ①、定检有关规则、方法；     ②、编制检验工艺、方案；   ③、缺陷评定及处理措施；   ④、事故预防及应急处理措施。   (3)监检知识   ①、有关设备制造工艺、过程；   ②、监检有关规则、方法；   ③、质量保证体系；   ④、监检工作中有关问题的判断、处理。     (二)评片主要考核检验人员对射线底片中缺陷检出及运用标准准确评定的技能,考核采用百分制,成绩70分为合格。     (三)实际操作技能考评在理论知识考核合格基础上进行。检验员理论考核合格,从事检验工作一年以上,并参与完成与申请项目对应的基本数量(包括定检、监检)的检验工作,经二名检验师在其《锅炉压力容器检验员实际操作技能考评表》(见附件二）签署意见后,由发证机构审核发证。基本检验数量为：     1、锅炉检验员GL：参与完成额定蒸汽压力≤2.5MPa的蒸汽锅炉、热水锅炉、有机热载体锅炉检验30台次以上：     2、压力容器检验员RQ：参与完成第一、二类压力容器检验30台次以上：     3、气瓶检验员QP：参与完成气瓶检验150只(申报产品监督检验项目的,其产品监督检验数量为一批)以上；     4、医用氧舱检验员YC：参与完成医用氧舱检验10台次以上：     5、压力管道检验员GD：参与完成工业管道(限设计压力<10Mpa；输送非极度危害介质；设计压力<4Mpa．且设计温度<400℃,输送介质为可燃、有毒流体)、公用管道检验5KM以上；     6、起重机检验员QZ：参与完成桥、门式起重机、建筑塔式起重机、门座式起重机、岸边集装箱装卸桥、流动式起重机、升降机之中3种类起重机检验各10台次以上,其余种类起重机检验各5台次以上。     7、电梯检验员DT：参与完成客梯、货梯(或客货电梯)检验各15台次以上,其余种类电梯检验各5台次以上。     8、厂内机动车辆检验员CJ：参与完成汽车、叉车、电瓶车等3种类以上厂内机动车辆检验各10台次以上,其余种类厂内机动车辆检验各5台次以上。     9、架空索道检验员SD：参与完成客运或货运架空索道电气或机械部分检验20台次以上。     10、游艺机和游乐设施检验员YJ：参与完成滑行车类、旋转运动类、观览车类、赛车类、单轨车和小火车类、水上娱乐项目、其它无动力娱乐项目之中4种类以上游艺机和游乐设施检验各10台次以上,其余种类游艺机和游乐设施检验各5台次以上。     11、防爆电气检验员FB：参与完成防爆电器、防爆电机、防爆仪表和防爆照明灯具检验各10台次以上(不得少于3种)。     第二十九条  报考检验员资格的人员,应考项目考核合 格后,二年未能参与完成本规则第二十八条(三)款规定数 量的检验工作或检验师未签署意见,考核成绩作废。     第三十条  检验师进行理论知识(包括综合、定检、监检知识)、口试答辩考核。锅炉、压力容器、压力管道检验师须加试评片考核(持RTⅡ级以上无损检测资格的人员可免评片考核)。压力容器检验师须加试医用氧舱知识考核(持医用氧舱检验员资格的免试)。申报含型式试验项目特种设备检验师资格的人员须在理论知识、口试答辩考核中加试型式试验的有关知识。     理论知识、口试答辩、评片考核均采用百分制评分,成绩达到70分为合格,其中口试答辩考核项中论文占40分,答辩占60分。     (一)理论知识考核的内容：     1、综合知识     (1)、国内外有关法规、标准；     (2)、锅炉、压力容器、压力管道及特种设备知识。     2、定检知识     (1)、编制检验工艺；     (2)、国内外常规检测方法、原理及应用；     (3)、重大、复杂、特殊设备的检验案例分析；     (4)、疑难缺陷评定及处理；     (5)、典型事故分析、预防措施及应急处理。     3、监检知识     (1)、有关设备制造工艺、过程；     (2)、监检有关规则、方法；     (3)、质量保证体系；     (4)、监检工作中有关问题的判断、处理。     (二)口试答辩考核的内容：     1、根据本人主要承担的重大项目检验工作,编写专题技术论文；     2、叙述主要检验经历,明确阐述论文要据,回答考官提问。     (三)评片主要考核检验人员对射线底片中缺陷检出及运用标准准确评定的技能,考核采用百分制,成绩70分为合格。     第三十一条  高级检验师进行口试答辩考核,采用百分制评分,成绩达到70分为合格,口试答辩考核中论文占40分,答辩占60分。     口试答辩考核内容：     l、针对所提供的论文,叙述检验经历、阐述论文要据回答问题；     2、针对重大检验疑难缺陷评定及处理、事故分析、预防及应急处理等问题回答考官提问。     第三十二条单项考核成绩二年内有效,不合格单项可在二年内补考。 第三十三条考核内容根据检验项目的不同种类分别按考核大纲在题库中选取。考核大纲及题库将由国家质量技术监督局统一制定。  第五章监督管理      第三十四条  检验人员工作守则：     (一)热爱本职工作,钻研专业知识和检验技术,具有与所承担检验工作相适应的技术水平；     (二)熟悉并执行国家有关法规、标准和技术条件,确保检验工作质量；     (三)勤于实践,能熟练使用常用检测工具、仪器,不断提高检验水平；     (四)坚持原则、依法检验、作风正派、勤政廉洁。     第三十五条  各级安全监察机构负责监督检查检验人员的检验工作。发现下列情况之一时,视情节轻重,分别予以检验人员通报批评暂时收回检验人员资格证(书),或报请发证机构注销其检验人员资格。     (一)转让检验人员资格证书；     (二)从事超项目资格范围的检验工作；     (三)弄虚作假,降低合格标准；     (四)严重漏检,误检等不能保证检验质量；     (五)不负责任,玩忽职守,违法乱纪,造成严重责任事故。     被注销检验资格的检验人员三年内不准参加资格考核。     第三十六条  检验员、检验师、高级检验师资格证书有效期均为五年。持证人员应在证书有效期满前六个月向发证机构提出复试申请(检验师复试直接向所在地省级锅炉压力容器安全监察机构提出),同时提交《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员、检验师资格复试申请表》  (见附件五)、《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资格注册申请表》(见附件六),由发证机构组织复试、注册、换证。持证人员因故不能按时复试、注册,可经发证机构同意并签署意见后,延长证书有效期,但最长不能超过一年。     《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员、检验师资格复试申请表》、《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资格注册申请表》由国家质量技术监督局统一制定。     第三十七条  申请参加检验员资格复试的人员,五年中必 须完成本《规则》第二十八条(三)款所规定的基本检验数量。同时持容器检验员、氧舱检验员资格的人员,只须参加氧舱检验员资格复试。检验师不须参加本规则第六条(二)款所规定允许从事单项检验资格的复试。检验师所持其它单项检验资格仍须参加复试。高级检验师不需复试,只须定期办理注册验证。     复试主要考核检验人员掌握新颁法规、标准及检测技术的水平。检验员复试须参加理论知识考核,锅炉压力容器压力管道类检验员还须进行评片考核；检验师复试须参加理论知识和口试答辩考核,锅炉压力容器压力管道类检验师还须进行评片考核。检验员、检验师连续二次复试不合格,取消检验员、检验师资格,被取消检验师资格的检验人员须参加单项检验资格的复试。     第三十八条  检验员资格证书压盖省级质量技术监督局印章；检验师、高级检验师资格证书压盖国家质量技术监督局安全监察机构印章。证书全国统一编号,具体编号办法见附件七。     第三十九条  省级安全监察机构在考核工作结束后,须及时将考核合格的检验员名单及批准资格项目报国家质量技术监督局安全监察机构备案。在考核工作中,如发现考核机构有违规行为,国家质量技术监督局安全监察机构有权停止其考核工作。     第四十条  检验人员变更检验单位时,须先由原发证机构签署意见,并到接收单位所在地省级安全监察机构备案。     第四十一条  检验人员在省外考核机构申报考取检验员资格证书,须先征得所在地省级安全监察机构同意。考核合格后,持考核成绩证明,到所在地省级安全监察机构办理资格证书。     第四十二条  检验人员调离检验岗位时,其检验人员资格证书作废,并由所在检验单位负责将证书交回发证机构。发证机构定期公布检验人员资格证书注销、作废名单。  第六章  附  则      第四十三条  本规则由国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察局负责解释。   ．     第四十四条  本规则自公布之日起生效。 附件一： 《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员资格考核申请表》 附件二： 《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员实际操作技能考评表》 附件三： 《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验师资格考核申请表》 附件四： 《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资格考核申请推荐表》  附件五： 《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员、检验师资格复试申请表》 附件六：   《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资格注册  申请表》 附件七：   《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验人员资格证书编号办法》 附件八：   《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验人员资格证书》   (样式)  附件一：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员资格考核申请表》**   |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 资格证书    编    号 |  | | | | | | 申请考核 |  | | | | ○定检 | | 项    目 | ○监检 | | 姓    名 |  | 性    别 |  | 出生年月 |  | | 文化程度 |  | 毕业学校 |  | 所学专业 |  | | 职  称 |  | 工作年限 |  | 联系电话 |  | | 检验单位 |  | | | 注册编号 |  | | 通信地址 |  | | | 邮政编码 |  | | 持检验员    资格项目 |  | | |  |  | | 持无损检测  资格项目 |  | | |  |  | | 简    历 | | | | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | 培训记录 | | | | | | 检验单位意见 | (印章)                 日期： | | | | | 所在地省级  监察机构意见 | (印章)  日期： | | | | | 考核成绩 | 基础知识 |  | 专业知识 |  | | (评片) |  | | | | 考核机构意见 | (印章)            日期： | | | |   注：1、本表为B5型号纸(176×250ram),表框(145×210mm)。      2、申请考核项目栏及考核机构意见栏中,须说明是否包括定检、监检。  附件二：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备**  **检验员实际操作技能考评表》**     |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 资格证书    编    号 |  | | | | | | 申请考核 |  | | | | ○监检 | | 项    目 | ○定检 | | 姓    名 |  | 性   别 |  | 出生年月 |  | | 职  称 |  | 工作年限 |  | 联系电话 |  | | 检验单位 |  | | | 注册编号 |  | | 参与检验的主要设备及参数 | | | | | | | 检验中发现及解决的主要问题及处理 | | | | | |      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 考核项目 | | 定检 | |  | | | | | | | | | | | 参检数量 | | 监检 | |  | | | | | | | | | | | 检验师意  见 | | 检验师简历 | | | | | | | | | | | | | 意见 | | |  | | | | 证号 | | |  | | | 签字 | | |  | | | 检验师  意见 | | 检验师简历 | | | | | | | | | | | | | 意见 | | | | |  | | 证号 | |  | | | | 签字 | |  | | | | 检验单位  意    见 | | (印章)       日期： | | | | | | | | | | | | | 发证机构  意    见 | | (印章)       日期： | | | | | | | | | | | | | 注：此表与《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员资格考核申请表》一并使用 | | | | | | | | | | | | | | |  | |  | |  |  | |  | |  | |  |  | |         注：1、本表为B5型号纸(176×250mm),表框(145x210mm)。      2、申请考核项目栏及发证机构意见栏中,须说明是否包括定检、监检。      3、检验师签署意见,必须注明是否包括定检、监检。  附件三：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验师资格考核申请表》**     |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 资格证书  编    号 | |  | | | | | | | | | | | | 申请考核  项    目 | |  | | | | | | | | | ○监检 | | | ○定检 | | | ○型式试验 | | | 姓  名 | |  | 性    别 | |  | | | | 出生年月 | |  | | | 文化程度 | |  | 毕业学校 | |  | | | | 所学专业 | |  | | | 职  称 | |  | 从事检验工作时间 | |  | | | | 所属行业 | |  | | | 检验单位 | |  | | | | | | | 注册编号 | |  | | | 通信地址 | |  | | | | | | | | | | | | 联系电话 | |  | | | | 邮政编码 | |  | | | | | | 持检验员  和检验师  资格项目 | |  | | | | | | | | | | | | 持    有  无损检测  资格项目 | |  | | | | | | | | | | | | 简    历 | | | | | | | | | | | | | |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  | |   注：1、本表为B5型号纸(176×250mm),表框(145×210mm)。      2、申请考核项目栏、考核机构意见及发证机构意见栏中,须说明是否包括定检、监检、型式试验。   |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | 培训记录 | | | | | | 检验单  位意见 | (印章)        日期： | | | | | 考核成绩 | 理论知识 |  | 口试答辩 |  | | (评片) |  | (氧舱知识) |  | | 考核机构意见 | (印章)          日期： | | | | | 发证机构意见 | (印章)          日期： | | | |     附件四：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师**  **资格考核申请推荐表》**   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 资格证书  编  号 | |  | | | | | | | | | | 申请考核  项    目 | |  | | | | | | | | | | 姓    名 | |  | 性    别 | |  | 出生年月 | | |  | | | 文化程度 | |  | 毕业学校 | |  | 所学专业 | | |  | | | 职    称 | |  | 从事检验  工作时问 | |  | 所属行业 | | |  | | | 检验单位 | |  | | | | 注册编号 | | |  | | | 通信地址 | |  | | | | | | | | | | 联系电话 | |  | | | | 邮政编码 | |  | | | | 持有检验师  资格项目 | |  | | | |  | |  | | | | 持有无损  检测资格  项目 | |  | | | |  | |  | | | | 简  历 | | | | | | | | | | | |  | |  |  | |  |  | |  |  | |      |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 担任的  社会工作  及职务 | | | | | |  | | | | | | | 奖励情况 | | | | | |  | | | | | | | 检验单位  意    见 | | | | | | (印章)      日期： | | | | | | | 省    级  监察机构    推荐意见 | | | | | | (印章)        日期： | | | | | | | 国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察局意见 | | | | (印章)  日期： | | | | | | | | |  | |  | | | | | | | | | | | 有关资质 | |  | | | | | | | | | | | 材料名称 | |  | | | | | | | | | | |  | | | | | | | | | | |  | | | | | | | | | | | 答辩考核 | |  | | | | | | 论文 | |  | | | 成    绩 | | 口试答辩 | |  | | | 考核机构  意    见 | | (印章)  日期： | | | | | | | | | | | 发证机构  意    见 | | (印章)  日期： | | | | | | | | | | |  | |  | |  | |  | |  | |  | |         注：本表为B5型号纸(176×250mm),表框(145×210mm)。      附件五：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员、**  **检验师资格复试申请表》**   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 资格证书  编    号 | |  | | | | | | | | | | | 申请复试  项    目 | |  | | | | | | | | ○监检 | | | ○定检 | | | ○型式试验 | | | 姓    名 | |  | 性    别 | |  | | | 出生年月 | |  | | | 文化程度 | |  | 毕业学校 | |  | | | 所学专业 | |  | | | 职  称 | |  | 初次取得  复试项资  格时间 | |  | | | 所属行业 | |  | | | 检验单位 | |  | | | | | | 注册编号 | |  | | | 通信地址 | |  | | | | | | | | | | | 联系电话 | |  | | | | 邮政编码 | | | |  | | | 持检验员    和检验师    资格项目 | |  | | | | | | | | | | | 持    有    无损检测    资格项目 | |  | | | | | | | | | | | 主要检验经历 | | | | | | | | | | | | |  | |  |  | |  |  | |  | |  | |      |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 参与检验的主要设备及问题处理 | | | | | | | | 复试项目的 | | 定检 | |  | | | | 参检数量 | | 监检 | |  | | | | 检验单位  意    觅 | | (印章)       日期： | | | | | | 复试成绩 | | 理论知识 | | |  | | | (评片) | | |  | | | 考核机构  意    见 | | (印章)        日期： | | | | | | 发证机构  意    见 | | (印章)       日期： | | | | | |  | |  | |  |  | |       注：l、本表为B5型号纸(176×250mm),表框(145x210mm)。      2、申请复试项目栏、考核机构意见及发证机构意见栏中,须说明是否包括定检、监控、型式试验。  附件六：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备**  **高级检验师资格注册申请表》**   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | 资格证书  编    号 | |  | | | | | | | | | | | 申请注册  项    目 | |  | | | | | | | | | | | 姓    名 | |  | 性    别 | |  | | | 出生年月 | |  | | | 文化程度 | |  | 毕业学校 | |  | | | 所学专业 | |  | | | 职  称 | |  | 初次取得  注册项资格时问 | |  | | | 所属行业 | |  | | | 检验单位 | |  | | | | | | 注册编号 | |  | | | 通信地址 | |  | | | | | | | | | | | 联系电话 | |  | | | | 邮政编码 | | | |  | | | 持检验师和  高级检验师  资格项目 | |  | | | | | | | | | | | 持无损检测  资格项目 | |  | | | | | | | | | | | 检验主要经历 | | | | | | | | | | | | |  | |  |  | |  |  | |  | |  | |      |  |  | | --- | --- | | 参与检验的主要设备及问题处理 | | | 参检数量 |  | | 奖励情况 |  | | 检验单位    意    见 | (印章)         日期： | | 省级监察    机构意见 | (印章)         日期： | | 注册机构    意    见 | (印章)         日期： |       注：本表为B5型号纸(176×250mm),表框(145×210mm)。      附件七：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验**  **人员资格证书编号办法》**  一、检验员、检验师、高级检验师资格证件编号均采用九位阿拉伯数字表示：第一、二位数为证件种类编号；第三、四位数为省编码；第五至九位数为流水号；  1、证件种类编号：  (1)第一位阿拉伯数字1为检验员资格证种类号；      第一位阿拉伯数字2为检验师资格证种类号；      第一位阿拉伯数字3为高级检验师资格证种类号；  (2)第二位阿拉伯数字l为锅炉压力容器压力管道种类      号；      第二位阿拉伯数字2为特种设备种类号；  2、省编码见下表：     |  |  | | --- | --- | | 单位 | 编码 | | 北京 | 01 | | 天津 | 02 | | 河北 | 03 | | 山西 | 04 | | 内蒙古 | 05 | | 辽宁 | 06 | | 吉林 | 07 | | 黑龙江 | 08 |  |  |  | | --- | --- | | 单位 | 编码 | | 上海 | 09 | | 江苏 | 10 | | 浙江 | 11 | | 安徽 | 12 | | 福建 | 13 | | 江西 | 14 | | 山东 | 15 | | 河南 | 16 |      |  |  | | --- | --- | | 单位 | 编码 | | 湖北 | 17 | | 湖南 | 18 | | 广东 | 19 | | 广西 | 20 | | 海南 | 21 | | 四川 | 22 | | 重庆 | 23 | | 贵州 | 24 |  |  |  | | --- | --- | | 单位 | 编码 | | 云南 | 25 | | 西藏 | 26 | | 陕西 | 27 | | 甘肃 | 28 | | 青海 | 29 | | 宁夏 | 30 | | 新疆 | 31 | |  |  |   3、流水号编号：从00001—99999；  二、例：北京市第一个容器检验员资格证编号： 11010000l      河南省第二十个锅炉检验师资格证编号： 211600020      新疆自治区第五个特种设备高级检验师资格证编号：      323100005                                                              附件八：  **《锅炉压力容器压力管道及特种设备**  **检验人员资格证书》(样式)**  (正证)A4纸证   |  | | --- | | (国徽)  锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员资格证书  兹证明  (姓  名)         身份证编号：      (工作单位名称)      经考核,已获得锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员资格。  批准资格范围：                      证书编号：      证书有效期至：(年／月)            发证机关：(印章)                            签署人：                            发证日期：      国家质量技术监督局制 |     注：检验师、高级检验师资格证书格式内容同检验员资格证书   (副证)胸卡   |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | (国 徽)    锅炉压力容器压力管道及特种设备  检验员资格证 | | | | | | 照  片    (发证机  构印章) | | | 姓   名 | |  | 身份证编号 | |  | | | | 工作单位 | |  | | | | | | | 证书编号 | |  | 有效截止期 | |  | | | |  | |  |  | |  |  | |     (背面)   |  | | --- | | 批准资格范围 |                     注：1、检验师、高级检验师资格证格式同检验员资格证。    2、本证尺寸90×54mm。  国家质量技术监督局司发文                      质技监锅字[1999]58号  关于印发“《锅炉压力容器压力管道及特种设备 检验人员资格考核规则》解释”的通知     各省、自治区、直辖市技术监督局,劳动(劳动和社会 保障)厅(局)：     国家质量技术监督局于1999年9月27日以质技监局锅发[1999]222号文印发了《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验人员资格考核规则》(以下简称《考规》),该《考规》将于2000年7月1日起执行。 为了帮助大家准确理解《考规》的有关条款,更好地执行《考规》,我们根据《考规》的修订过程,编制整理形成了《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验人员资格考核规则》解释．现予印发．                  国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察局                1999年10月13日      《锅炉压力容器压力管道及特种设备 检验人员资格考核规则》解释     一、修订的目的     自《锅炉压力容器检验人员资格鉴定考核规则》(劳锅字[1988]5号)(以下简称原《考规》)颁发以来,各地开展了锅炉压力容器检验人员的资格考核工作,为提高锅炉压力容器检验工作质量,确保锅炉压力容器安全运行发挥了重要作用。但在执行中发现仍存在一些问题,部分内容已不能完全适应社会主义市场经济体制的要求。修订过程中,此次政府机构改革将原劳动部承担的锅炉压力容器压力管道及特种设备的安全监察职能划转国家质量技术监督局锅炉局。锅炉局在保持原有锅炉、压力容器、压力管道安全监察职能基础上,增加了特种设备(包括电梯、起重机、架空索道、厂内机动车辆、游艺机和游乐设施、防爆电气等)安全监察职能。将压力管道、特种设备检验人员资格考核工作与锅炉压力容器检验人员资格考核工作有机衔接、协调统一,是此次修订工作的又一重要任务。      二、修订的过程     (一)、1996年12月10日,原劳动部职业安全卫生与锅炉压力容器监察局下发了《关于征求修订(锅炉压力容器检验人员鉴定考核规则)意见的通知》(劳安锅局[1996]83号)。重点征求涉及检验等级、项目划分、考核内容、方法、申报条件、考核机构设置、证书有效期等方面的修订意见。     (二)、经过收集整理并根据近几年调研掌握的情况,修  改编写出《锅炉压力容器检验人员资格考核规则》(征求意见稿),并于1997年7月25日,下发《关于征求(锅炉压力容器检验人员资格考核规则)意见的通知》  (劳安锅局[1997]49号)。各地锅炉压力容器安全监察机构积极组织有关单位讨论,提出许多建设性意见,共有27个省、市、自治区书面反馈。     (三)、1998年4月,原劳动部职锅局在苏州市组织召开了《锅炉压力容器检验人员资格考核规则》(征求意见稿)座谈会。对新修订的《锅炉压力容器检验人员资格考核规则》的修订原则、框架思路和重点内容予以肯定,同时也提出许多具体修改意见。部分省市监察机构和检验单位代表20多人参加了会议。     (四)、1998年7月,原劳动部职业安全卫生与锅炉压力容器监察局(锅炉部分)整建制划人国家质量技术监督局。同年12月,根据各地对《锅炉压力容器检验人员资格考核规则》(征求意见稿)的反馈意见及座谈会精神,修改完成并下发了《关于征求(锅炉压力容器检验人员资格考核规则)(征求意见二稿)意见的通知》(质技监锅字[1998]9号)。     (五)、新修订的《锅炉压力容器检验人员资格考核规则》征求意见一、二稿有压力管道检验人员考核内容,但未涉及特种设备检验人员的考核内容。为加快和规范特种设备检验人员资格考核工作,在充分调查研究和征求意见的基础上,再次修改的《锅炉压力容器检验人员资格考核规则》中增加了特种设备检验人员的考核内容,并将名称由《锅炉压力容器检验人员资格考核规则》改为《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验人员资格考核规则》、(以下简称新《考规》)。     (六)、1999年6月,国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察局在北京组织召开了新《考规》(送审稿)定稿讨论会。全国部分省市监察、检验机构的20多名代表参加了会议。代表分锅炉压力容器压力管道和特种设备两部分对《考规》(送审稿)认真进行逐条讨论,予以原则通过。     (七)、1999年9月完成了新《考规》(报批稿)报送国家质量技术监督局批准颁发。     三、修订原则     (一)、贯彻“安全第一,预防为主”的安全生产方针,强化锅炉压力容器压力管道及特种设备安全质量监督检验,为安全监察提供技术支持,预防和减少事故发生。     (二)、努力适应社会主义市场经济,积极推进检验人员资格考核工作的改革,使《考规》更便于操作。     (三)、坚持“公平、公正、公开”的原则,加强检验人员资格考核工作的科学化、规范化建设,接受社会监督。     (四)、保持压力管道、特种设备检验人员资格考核与锅炉压力容器检验人员资格考核的相对统一,但又考虑其各自的特点。 (五)在原有检验员基础上,实施检验师、高级检验师制度。进一步明确检验员、检验师、高级检验师职、责、权。    四、重点条文解释     为便于考核管理和报考人员进一步理解和掌握新《考  规》,现将有关条文解释如下：  第一章  总则      本章共六条。     第一条  主要阐述规则制定依据,其中国务院赋予质量技术监督部门的职责中,将原劳动部承担的锅炉压力容器压力管道及特种设备的安全监察职能划人国家质量技术监督局。锅炉压力容器安全监察局在保持原有锅炉、压力容器、压力管道安全监察职能基础上,增加了特种设备(包括电梯、起重机、架空索道、厂内机动车辆、游艺机和游乐设施、防爆电气等)安全监察职能。     第二条  规定了《考规》的适用范围,确定为受聘于经省级以上锅炉压力容器安全监察机构资格认可,并经国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察局注册登记的检验机构的人员。   第三条  规定从事锅炉压力容器压力管道及特种设备检验必须取得相应人员资格,无资格不得从事检验。   第四条  规定了检验人员的设置,即检验员、检验师、高级检验师。按锅炉、压力容器、压力管道、特种设备划分检验员、检验师、高级检验师种类,其中检验员ll类,检验师9类,高级检验师2类。 第五条  规定了检验员、检验师、高级检验师的职责。其职责是检验人员在受聘检验单位或锅炉压力容器安全监察  机构统一安排下具体履行实施。 第六条  规定了各类检验员、检验师、高级检验师允许从事的检验范围。其中气瓶检验员监督检验项内包括气瓶型式试验；检验师、高级检验师监督检验项内包括进出口安全性能检验。    第二章  申报条件      本章共十三条。     第七条  在原《考规》基础上,调整了人员报考年限,并将工作经历范围由运行、修理、监察、检验：扩大为设计、制造、安装、使用、检验、监察。取消了高中学历人员报考资格。将参加一定数量实际报考项检验工作放在理论考核合格之后进行。         第八条  考虑气瓶检验的实际情况,保留了高中学历人员报考气瓶检验员单项资格条件。     第九条  规定申请报考医用氧舱检验资格的人员,须先取得压力容器检验员资格证件,方可申报医用氧舱检验员资格考核。     第十一条  规定了属特种设备范畴的起重机检验员申报条件,进一步明确了对申报人员所学专业和所从事工作的要求,将设计、制造、安装调试、维修、检验、监察作为所从事工作经历的领域。     第十七条  规定申报检验师资格条件,申报某项检验师资格,须首先取得该项检验员资格。如申报锅炉检验师资格,须先取得锅炉检验员资格。     第十八条  规定了申报锅炉压力容器压力管道高级检验    师的申报条件,申报人员必须是取得锅炉、压力容器、压力    管道三项中任意二项以上检验师资格,在锅炉、压力容器、     压力管道领域有独特造诣,在国内外重要杂志上发表重要技     术文献或取得重大科技研究成果,解决过重大疑难问题,在本领域具有一定知名度的高级专业技术人员。     第十九条  规定了申报特种设备高级检验师的申报条    件,申报人员必须是取得起重机、电梯、厂内机动车辆、架    空索道、游艺机和游乐设施、防爆电气六项中任意三项以上    检验师资格,在起重机、电梯、厂内机动车辆、架空索道、游艺机和游乐设施、防爆电气领域有独特造诣,在国内外重    要杂志上发表重要技术文献或取得重大科技研究成果,解决   过重大疑难问题,在本领域具有一定知名度的高级专业技术    人员。  第三章考核组织、程序      本章共八条。     第二十条  规定省级以上锅炉压力容器安全监察机构负    责对申请报考检验员、检验师、高级检验师的人员进行资格     审查和考核工作。考虑到省级以上安全监察机构工作繁重,考核的具体实施操作工作可由安全监察机构组织相应的考核机构进行。成立的考核机构应具备一定规模和条件,人员须    报国家质量技术监督局安全监察机构备案。     第二十一条  规定检验人员申请检验员资格考核的申报    程序。按照人员属地管理的原则,申报人员应向所在地的省    级安全监察机构提交《锅炉压力容器压力管道及特种设备检    验员资格考核申请表》和有关资质证明材料,经安全监察机构审查同意后,方可参加考核。     第二十二条  规定了检验人员申请检验师资格考核的程序。申请检验师资格考核需两级安全监察机构对申报人员资格进行审查,申报人员须首先向所在地的省级安全监察机构提交《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验师资格考核申请表》有关资质证明材料,经省级安全监察机构审查合格后,并报国家质量技术监督局安全监察机构审查同意,方可参加考核。     第二十三条  规定了检验人员申报高级检验师资格考核的程序。高级检验师资格考核采用推荐审批制,申报人员须首先向所在地的省级安全监察机构提交《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资格考核申请推荐表》有关资质证明材料,经审查合格并签署意见后,由所在地的省级安全监察机构向国家质量技术监督局安全监察机构推荐,国家质量技术监督局安全监察机构审查受理后,通知申请人参加考核。为规范考核,申报人员应统一使用国家质量技术监督局制定的《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员资格考核申请表》、《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验师资格考核申请表》、《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资格考核申请推荐表》。     第二十四条  规定了检验人员的分级考核,省级安全监察机构负责组织进行检验员资格考核和检验师资格复试考核工作,国家质量技术监督局安全监察机构负责组织进行检验师首次考核和高级检验师的考核工作。考核具体操作可由考核机构进行。检验师的复试考核由全国统一命题,命题具体工作由全国考核机构具体实施,省级负责组织考核。如复试人员少或其他原因省级不能单独组织复试考核的,也可委托全国考核机构代为实施。省级考核机构进行的考核工作接受全国考核机构的业务指导。     第二十五条  规定了检验人员资格证书的印制与发放。检验员资格证书由省级安全监察机构审核报省级质量技术监督局签发。检验师、高级检验师资格证书由国家质量技术监督局安全监察机构审核签发。检验员、检验师、高级检验师资格证书由国家质量技术监督局统一印制。     第二十六条  规定了省级以上安全监察机构须定期公布取得检验员、检验师、高级检验师资格证者的姓名、工作单位及合格项目。省级安全监察机构需将定期公布的检验员考核情况报国家质量技术监督局安全监察机构备案。  第四章  考核科目、内容及方法      本章共六条。   第二十八条  规定了检验人员申报检验员资格考核科目、内容、方法及实际操作考核须从事设备检验数量的最低要求。本《考规》在未取得RTⅡ级以上无损检测人员资格,申请锅炉、压力容器、压力管道类检验员资格考核科目中增加了评片考核,以适应检验特别是监督检验工作的需要。申报含监检项检验员资格考核的人员,在专业知识考核中必须进行监检知识的考核。条文中所列基础知识、专业知识考核内容是一个原则规定,具体内容将在考核大纲内体现。报考检验员资格人员的实际操作考评,采用理论知识(评片)考核合格后,参与一定数量设备检验工作的方法进行。检验师将按职责担负起报考人员参与实际检验工作的见证及考评人,并对考评的真实性负责。     第二十九条  规定了报考检验员资格人员理论(评片)考核成绩的有效时限。理论知识(评片)考核合格后,二年未能参与完成规定的最低数量检验工作或检验师未签署意见,考核成绩作废。如继续申报检验员资格考核,则须重新参加理论知识(评片)考核。     第三十条  规定了检验人员申报检验师资格考核科目、内容、方法。未取得RTⅡ级以上无损检测人员资格,申请锅炉、压力容器、压力管道检验师资格考核的人员须加试评片考核。未取得医用氧舱检验员资格的人员申请压力容器检验师资格考核,须加试医用氧舱知识考核。申报含型式试验项目特种设备检验师资格的人员须在理论知识、口试答辩考核中加试型式试验的有关知识。     第三十一条  规定了检验人员申报高级检验师资格考核科目、内容、方法。高级检验师只须进行口试答辩考核,重点考核报考人员对重大检验疑难缺陷评定及处理、事故分析、预防及应急处理等方面的内容。     第三十二条  规定了检验人员参加考核后,其考核合格的单项成绩二年内有效,不合格单项可在二年内补考,补考合格后仍可获得检验人员资格证书。  第五章监督管理      本章共九条。     第三十四条  规定了检验人员在业务和作风建设上应遵 循的工作准则。     第三十五条  规定了对检验人员渎职的处罚。各级安全监察机构负责监督检查检验人员的检验工作。有权对检验人员的渎职行为提出批评、暂时收回资格证书或报请发证机构注销其资格。被注销检验资格的人员三年内不准参加资格考核。     第三十六条  规定了检验人员资格证书的有效期及复试换证程序。持证人员应主动在证书有效期满前六个月向发证机构提出复试申请。检验师的复试由省级安全监察机构负责,参加检验师复试人员应直接向所在地省级锅炉压力容器安全监察机构提出申请,省级锅炉压力容器安全监察机构组织复试,报国家质量技术监督局安全监察机构签批换证。检验员、高级检验师由发证机构组织复试、注册、换证。持证人员因故不能按时复试、注册,必须由所在单位出具书面证明,并经发证机构同意并签署意见后,可延长证书有效期,但最长不能超过一年。复试人员须使用国家质量技术监督局统一制定的《锅炉压力容器压力管道及特种设备检验员、检验师资格复试申请表》和《锅炉压力容器压力管道及特种设备高级检验师资格注册申请表》。     第三十七条  规定申请参加检验员资格复试的人员,取证后不得中断检验工作,必须完成规定的基本检验数量。同时持压力容器检验员、氧舱检验员资格的人员,只须参加氧舱检验员资格复试,不须参加压力容器检验员资格复试。检验师不须参加本规则第六条(二)款所规定允许从事单项检验资格的复试,如持压力容器检验师资格的人员,可不参加压力容器检验员、气瓶检验员、医用氧舱检验员的复试,但须参加所持其它单项检验资格的复试(如锅炉检验员)。高级检验师不需复试考核,只须定期办理注册验证。检验员、检验师连续二次复试不合格,取消资格,被取消检验师资格的人员须参加单项检验资格的复试。     第三十八条  规定检验人员资格证书实行全国统一编号。     第三十九条  规定省级安全监察机构应及时将考核合格的检验员名单及批准资格项目报国家质量技术监督局安全监察机构备案。国家质量技术监督局安全监察机构对各级考核机构实行监督检查,并有权停止或取消违规考核机构的考核资格。     第四十条  规定取得资格的检验人员变更检验单位时,须先由原发证机构签署意见,并到接收单位所在地省级安全监察机构备案。不办理此项手续的,发证机关到期不予受理复试换证。     第四十一条  规定检验人员应遵循属地管理的原则。确需在省外考核机构申报考取检验员资格证书时,须先征得所在地省级安全监察机构同意。考核合格后,持考核成绩证明,到所在地省级安全监察机构办理资格证书。    第六章  附则    本章共二条。   五、本《规则》及其解释起草人员   国家质量技术监督局锅炉压力容器安全监察局：   宋继红、石家骏、王晓雷 | | | | |